कुल्लू घाटी: पीरपंजाल व धौलाधार श्रेणियों के मध्य स्थित
- HP में स्थित
- देवताओं की घाटी कहा जाता है।
- रावी नदी प्रवाहित होती है।

पार्वती घाटी:- HP में
- मणिकरण स्थान स्थित है जो सिक्ख धर्म से संबंधित तीर्थ स्थल है तथा गर्म जल के फव्वारे/चश्मों हेतु प्रसिद्ध है

हिमालय में अन्य महत्वपूर्ण घाटियाँ -

कांगड़ा घाटी - HP में
- → धर्मशाला बसा है।

दलाई लामा व उनके अनुयायीओं द्वारा शरण ली गयी।

किन्नौर घाटी - HP में
- → HP के अंतिम गांव चिटकुल का रास्ता प्रदान करती है।

चंबा घाटी - HP में
- → डलहौजी नगर स्थित है।

चुंबी घाटी - सिक्किम
- → इसी के अंतर्गत डोकलाम क्षेत्र आता है।

लाहौल घाटी - HP

↳ इससे चंद्रा व भागा नदियां प्रवाहित होती है, जिन्हे संयुक्त होने के पश्चात् चंद्रभागा तथा JK में चिनाब कहा जाता है।

✓ पुघा घाटी लद्दाख में स्थित है, जो गर्म जल के चश्मों (कुंड) के लिए प्रसिद्ध है। जो भारत में सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूतापीय ऊर्जा का स्रोत है।

स्पीति घाटी - HP

↳ ताबो मठ स्थित है। → बौद्ध धर्म से संबंधित है।

पांगी घाटी :- HP

Note :-

मर्खा घाटी - लद्दाख

↳ हेमिस हाई NP का रास्ता प्रदान करती है।

सुरू घाटी – लद्दाख

↳ इसमें कारगिल नगर बसा है।

नूब्रा घाटी :- लद्दाख

↳ इसके उत्तरी भाग में सियाचिन ग्लेशियर स्थित है

MAB

↓

Men And Biosphere

शुरू = 1971 में

UNESCO द्वारा

UNESCO के MAB कार्यक्रम में शामिल

- ★ फूलों की घाटी - UK में
- ✓ जोहार घाटी / मिलाम घाटी / गौरी गंगा घाटी - UK
- नेलांग घाटी :- UK में
  - ↳ इसमें गंगोत्री नेशनल पार्क स्थित है ✓
- ✓ सौर घाटी :- UK
- ✓ धर्मा घाटी :- UK

Note :- मणिपुर घाटी में लोकटक झील स्थित है।

युमथांग घाटी - सिक्किम

न्योरा घाटी - प. बंगाल

* जुकु घाटी - नागालैंड

लोकटक झील में भारत का एकमात्र तैरता हुआ राष्ट्रीय उद्यान (Floting N.P.) केबुललामजाओ भी स्थित है।

छोटे² द्वीप - फुमडिश कहे जाते हैं। फुमडिश

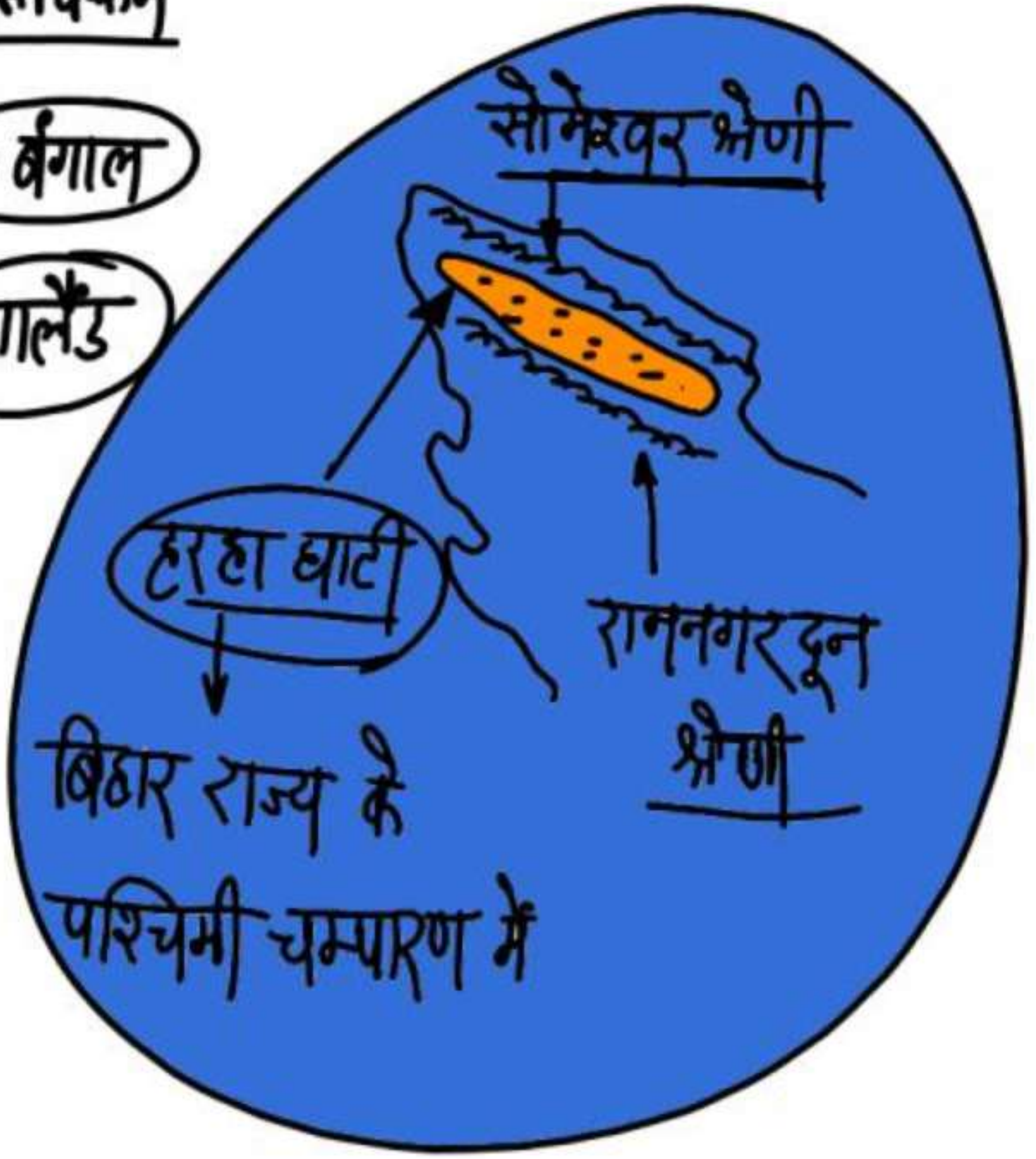

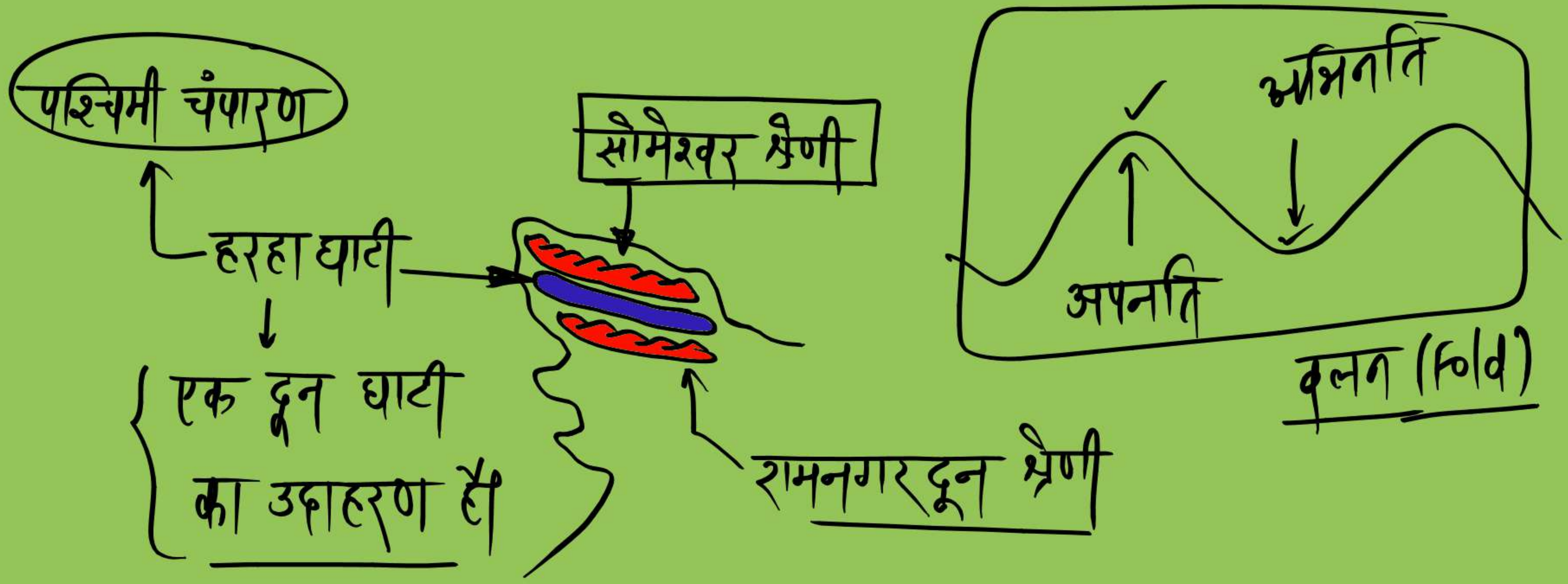
पश्चिमी चंपारण
हरहा घाटी
एक दून घाटी
का उदाहरण है
सोमेश्वर श्रेणी
रामनगर दून श्रेणी
अभिनति
अपनति
वलन (Fold)

बागमती नदी प्रवाहित

काठमांडू घाटी - नेपाल

महान हिमा. व महाभारत श्रेणी के मध्य

धौलाधर श्रेणी - HP में

→ इस पर शिमला नगर बसा है।

शिमला समझौता - 1972

शिमला के निकट कुफरी में आलू अनुसंधान केंद्र स्थित है।

शंकुधारी / कोणधारी वन

↓

इनमें एक लकड़ी विलो (★) प्राप्त होती है जिससे क्रिकेट के बैट बनाए जाते हैं।

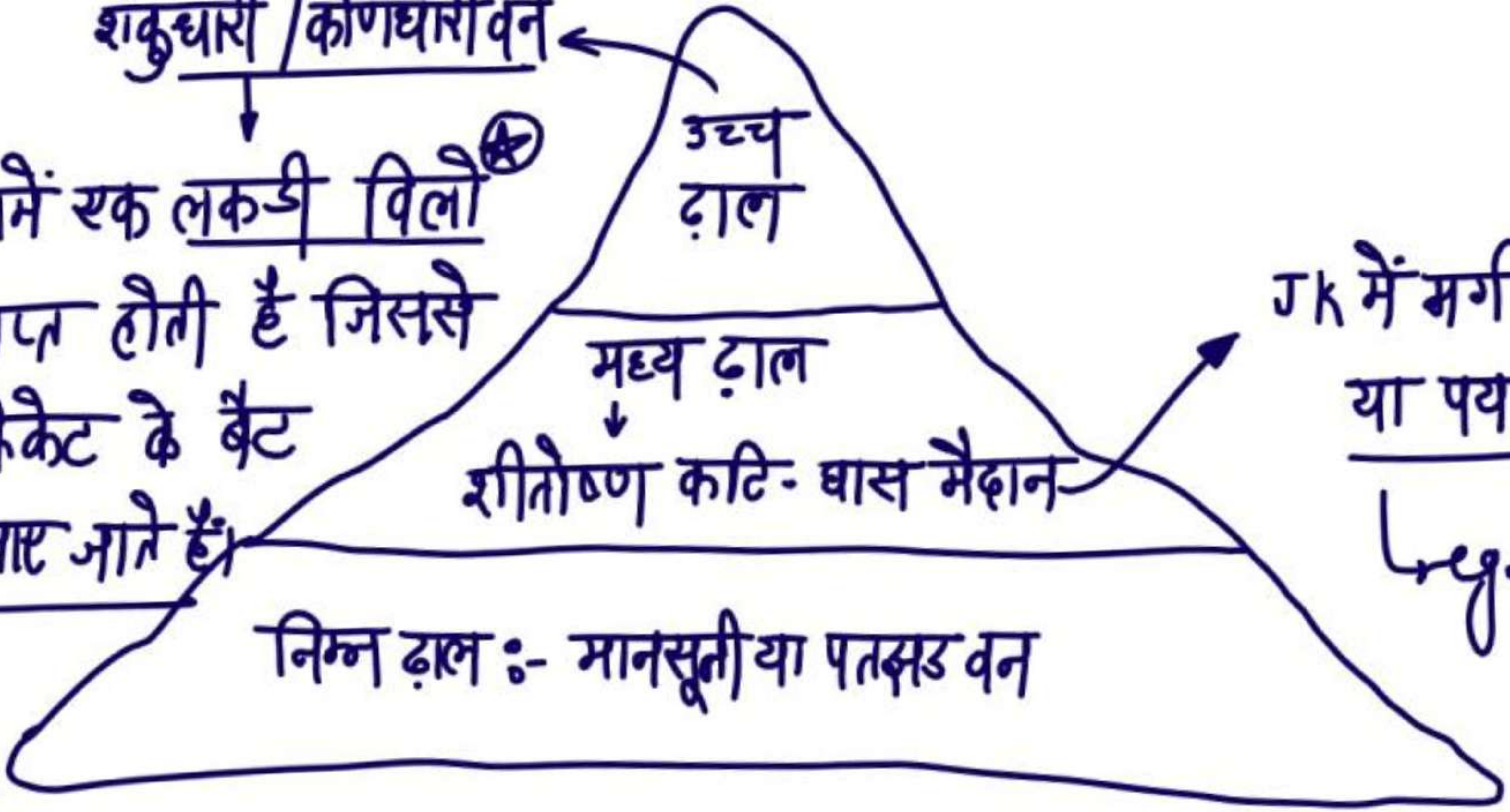

JK में मर्ग तथा UK में बुग्याल या पयार कहा जाता है।

↳ e.g.- गुलमर्ग, सोनमर्ग

बाह्य हिमालय या शिवालिक श्रेणी :-

- हिमा. की दक्षिणतम एवं नवीनतम श्रेणी है।
- औसत ऊंचाई = 900 - 1500 मी (औसत चौड़ाई = 10-50 KM)
- पंजाब में पोटवार बेसिन से कोसी तक सतत रूप से विस्तृत है जबकि अरूणाचल प्रदेश डफला, मिरि, अबोर, मिश्मी श्रेणियों के रूप में मिलता है।
- संपीडनात्मक पदार्थ यथा रेत, मृत्तिका, चिकनी मिट्टी, गोलाश्म व कांग्लोमेरेट आदि पाए जाते हैं।

अध्याय 2 देखें)। शिवालिक पहाड़ियों की असाधारण निरंतरता, इनका सरोवरी उद्गम और इनका जलोढ़ निक्षेप से बना होना जिसमें रेत, मृत्तिका, चकनी मिट्टी गोलाश्म व कोंगलोमेरेट शामिल है, इस धारणा की पुष्टि करते हैं।

UK में - दुधवा या धांग पहाड़ियां

चूरिया-मूरिया की पहाड़ियां

डाफला, मिरि, अबोर, मिश्मी पहाड़िया AP में हैं जिनका नामकरण जनजातियों के नाम से किया गया है।

(*) जीरो घाटी - AP में है

अपातानी जनजाति निवास करती है।

- मध्य हिमा॰ तथा शिवालिक श्रेणी के बीच संकीर्ण अनुदैर्घ्य घाटियों का विकास हुआ है, जिन्हे पूर्व की ओर द्वार तथा पश्चिम में दून कहा जाता है।

eg → हरिद्वार, कोटद्वार, जम्मूदून, कालकादून, देहरादून आदि

पूर्वांचल हिमालय :-

मिजोरम में मोलैसिन बेसिन का विस्तार है

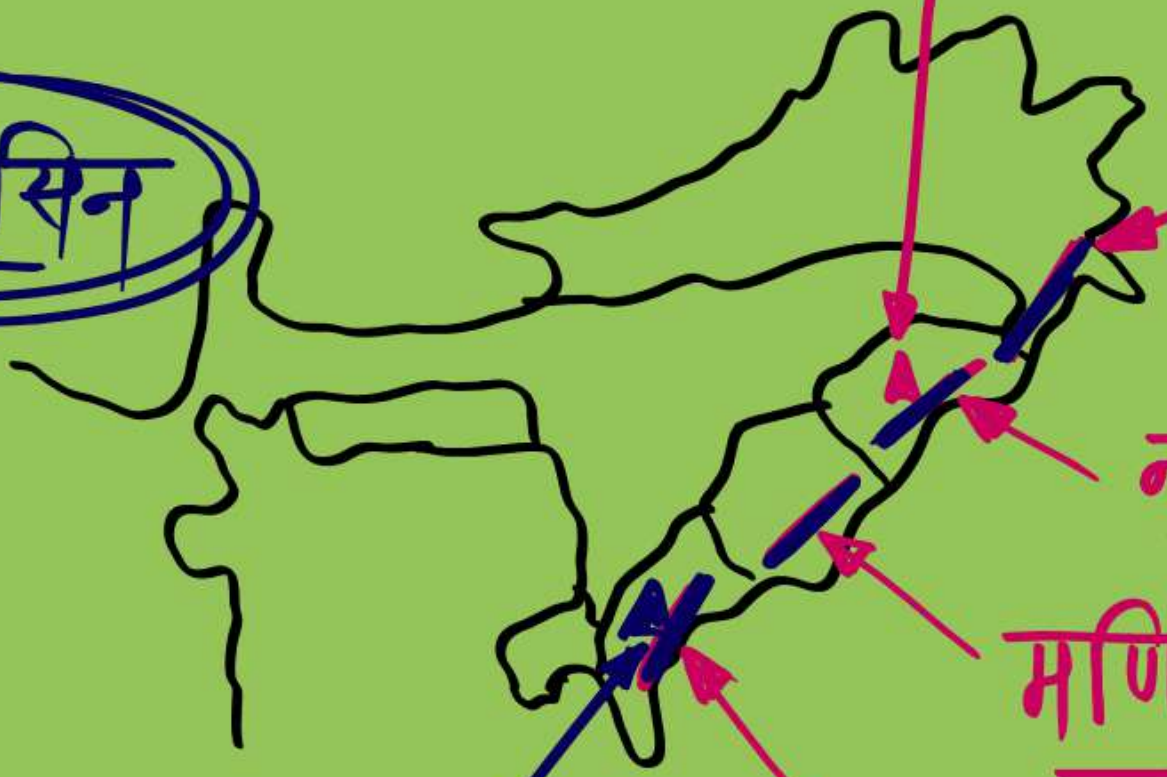

हिमालय का प्रादेशिक वर्गीकरण – सर सिडनी बुर्राड द्वारा प्रस्तुत

नदी घाटियों के आधार पर

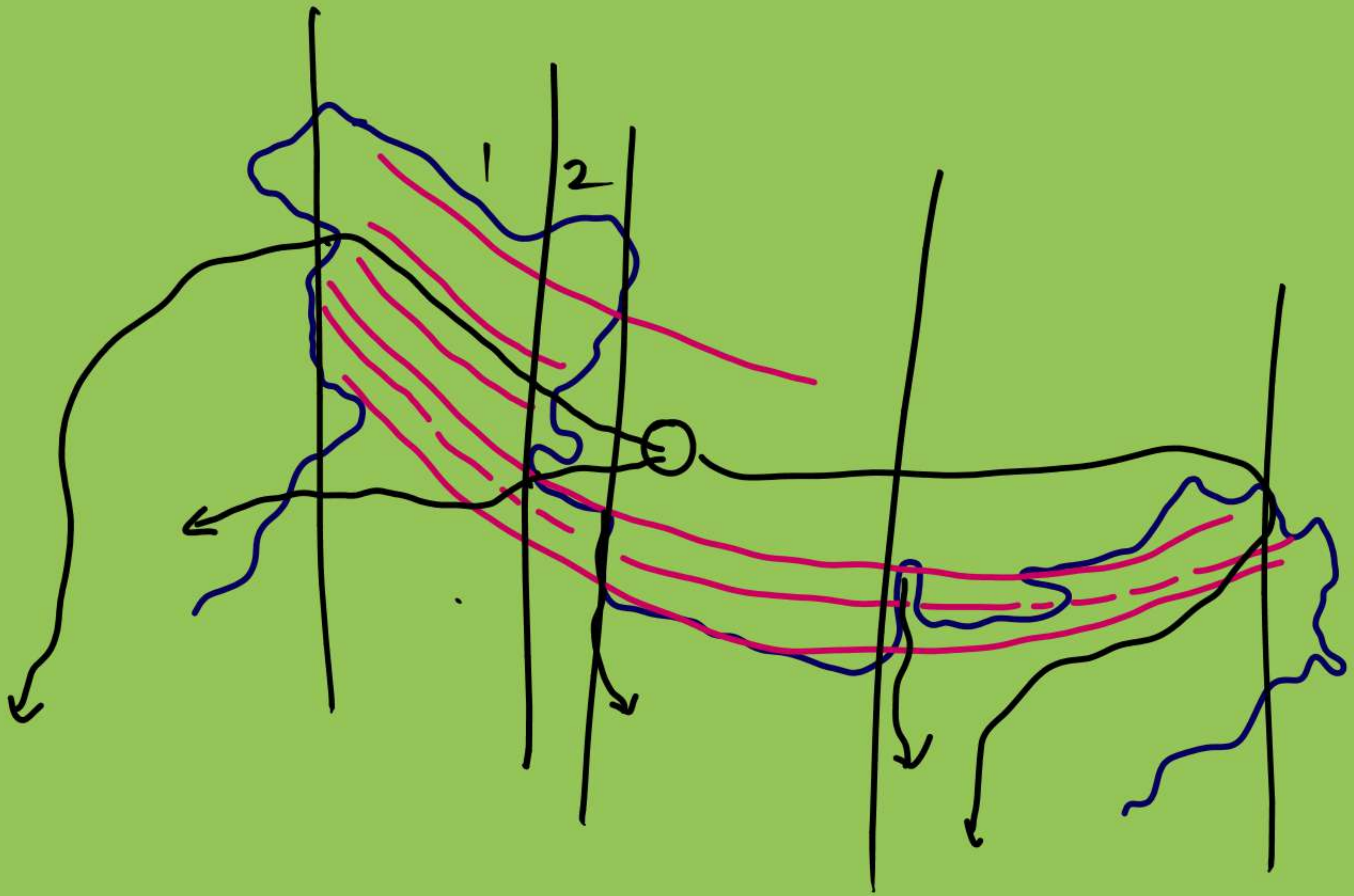
1
2

सिंधु
560 KM
पंजाब/कश्मीर हिमा.
सतलज
320 KM
कुमाऊं हिमा.
काली
800 KM
नेपाल हिमा.
तिस्ता
720 KM
असम हिमा.
ब्रह्म
-पुत्र

K
L
K
G
M
S

The River Systems of the Himalayan Drainage

The Himalayan drainage consists of several river systems but the following are the major river systems:

The Indus System

It is one of the largest river basins of the world, covering an area of 11,65,000 sq. km (in India it is 321, 289 sq. km and a total length of 2,880 km (in India 1,114 km). The Indus also known as the Sindhu, is the westernmost of the Himalayan rivers in India. It originates from a glacier near Bokhar Chu (31°15' N latitude and 81°40' E longitude) in the Tibetan region at an altitude of 4,164 m in the Kailash Mountain range. In Tibet, it is known as *'Singi Khamban*; or Lion's mouth. After flowing in the northwest direction between the Ladakh and Zaskar ranges, it passes through Ladakh and Baltistan. It cuts across the Ladakh range, forming a spectacular gorge near Gilgit in Jammu and Kashmir. It enters into Pakistan near Chilas in the Dardistan region. Find out the area known as Dardistan.

हिमालयी अपवाह तंत्र की नदियाँ

हिमालयी अपवाह में अनेक नदी तंत्र हैं, मगर निम्नलिखित नदी तंत्र प्रमुख हैं:

सिंधु नदी तंत्र

यह विश्व के सबसे बड़े नदी द्रोणियों में से एक है, जिसका क्षेत्रफल 11 लाख 65 हजार वर्ग किलोमीटर है। भारत में इसका क्षेत्रफल 3,21,289 वर्ग कि.मी. है। इसकी कुल लंबाई 2,880 कि.मी. है और भारत में इसकी लंबाई 1,114 किलोमीटर है। भारत में यह हिमालय की नदियों में सबसे पश्चिमी है। इसका उद्गम तिब्बती क्षेत्र में कैलाश पर्वत श्रेणी में बोखर चू (Bokhar chu) के निकट एक हिमनद (31°15' और 80°40' पू.) से होता है, जो 4,164 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। तिब्बत में इसे सिंगी खंबान (Singi khamban) अथवा शेर मुख कहते हैं। लद्दाख व जास्कर श्रेणियों के

The Indus System

It is one of the largest river basins of the world, covering an area of 11,65,000 sq. km (in India it is 321, 289 sq. km and a total length of 2,880 km (in India 1,114 km). The Indus also known as the Sindhu, is the westernmost of the Himalayan rivers in India. It originates from a glacier near Bokhar Chu (31°15' N latitude and 81°40' E longitude) in the Tibetan region at an altitude of 4,164 m in the Kailash Mountain range. In Tibet, it is known as *'Singi Khamban*; or Lion's mouth. After flowing in the northwest direction between the Ladakh and Zaskar ranges, it passes through Ladakh and Baltistan. It cuts across the Ladakh range, forming a spectacular gorge near Gilgit in Jammu and Kashmir. It enters into Pakistan near Chilas in the Dardistan region. Find out the area known as Dardistan.

बीच से उत्तर-पश्चिमी दिशा में बहती हुई यह लद्दाख और बालतिस्तान से गुजरती है। लद्दाख श्रेणी को काटते हुए यह नदी जम्मू और कश्मीर में गिलगित के समीप एक दर्शनीय महाखड्ड का निर्माण करती है। यह पाकिस्तान में चिल्लस के निकट दरदिस्तान प्रदेश में प्रवेश करती है। मानचित्र पर इस क्षेत्र को रेखांकित करें।

सिंधु नदी की बहुत-सी सहायक नदियाँ हिमालय पर्वत से निकलती हैं, जैसे - शयोक, गिलगित, जास्कर, हुंजा, नुबरा, शिगार, गास्टिंग व द्रास। अंततः यह नदी अटक के निकट पहाड़ियों से बाहर निकलती है, जहाँ दाहिने तट पर काबुल नदी इसमें मिलती है। इसके दाहिने तट पर मिलने वाली अन्य मुख्य सहायक नदियाँ खुर्रम, तोची, गोमल, विबोआ और संगर हैं। ये सभी नदियाँ सुलेमान श्रेणियों से निकली हैं। यह नदी दक्षिण की ओर बहती हुई मीथनकोट के निकट पंचनद का जल प्राप्त करती है। पंचनद नाम पंजाब की पाँच मुख्य नदियों सतलुज, व्यास, रावी, चेनाब और झेलम को दिया गया है। अंत में सिंधु नदी कराची के पूर्व में अरब सागर में जा गिरती है। भारत में सिंधु, जम्मू और कश्मीर राज्य में बहती है।

(क) सिंधु की दाएं तट की सहायक नदियां :-

पंचनद

- झेलम
- चिनाव
- रावी
- व्यास
- सतलज

→ सिंधु नदी लद्दाख श्रेणी का एक महाखड्ड (गॉर्ज) का निर्माण गिलगित के बुंजी नामक स्थान पर करती है, जो दुनिया का सबसे गहरा गॉर्ज है।

Indus cuts Ladakh range near to Gilgit and form the deepest gorge of the world in Bunji.

→ <u>enters in Pakistan</u> :- from Chillas of Dardistan Region.
(<u>पाकिस्तान में प्रवेश</u>) (<u>दर्दिस्तान क्षेत्र के चिल्लास से</u>)

→ <u>सहायक नदियां / Tributaries of Indus</u> :- शयोक, जास्कर, गिलगित, हुंजा, नूब्रा, संगर, तोची, झोब, काबुल, विबोआ, कुर्रम, द्रास, शिगार, गास्टिंग आदि व पंचनद की 5 नदियां।

पंचनद Panchnad :- सिंधु की बाएं तट की सहायक नदियां हैं, जिनके द्वारा अपवाहित क्षेत्र को पंजाब कहा जाता है।

सिंधु नदी जल बंटवारा समझौता (Indus water Treaty) :

→ 19 • Sep • 1960

→ अयूब खान व प • नेहरूजी

3 पश्चिमी नदियों का 80% जल पाकि • व 20% भारत उपयोग करेगा।

↓

∴ सिंधु, झेलम व चिनाव

3 पूर्वी नदियों पर भारत का 80% व पाकि • का 20% अधिकार

⇓

रावी
व्यास
सतलज

The Jhelum, an important tributary of the Indus, rises from a spring at Verinag situated at the foot of the Pir Panjal in the south-eastern part of the valley of Kashmir. It flows through Srinagar and the Wular lake before entering Pakistan through a deep narrow gorge. It joins the Chenab near Jhang in Pakistan.

The Chenab is the largest tributary of the Indus. It is formed by two streams, the Chandra and the Bhaga, which join at Tandi near Keylong in Himachal Pradesh. Hence, it is also known as Chandrabhaga. The river flows for 1,180 km before entering into Pakistan.

झेलम, जो सिंधु की महत्त्वपूर्ण सहायक नदी है, कश्मीर घाटी के दक्षिण-पूर्वी भाग में पीर पंजाल गिरिपद में स्थित वेरीनाग झरने से निकलती है। पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले यह नदी श्रीनगर और वूलर झील से बहते हुए एक तंग व गहरे महाखड्ड से गुजरती है, पाकिस्तान में झंग के निकट यह चेनाब नदी से मिलती है।

चेनाब, सिंधु की सबसे बड़ी सहायक नदी है। यह चंद्रा और भागा दो सरिताओं के मिलने से बनती है। ये सरिताएँ हिमाचल प्रदेश में केलाँग के निकट तांडी में आपस में मिलती हैं। इसलिए इसे चंद्रभागा के नाम से भी जाना जाता है। पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले यह नदी 1,180 कि०मी० बहती है।

रावी, सिंधु की एक अन्य महत्त्वपूर्ण सहायक नदी है। यह हिमाचल प्रदेश की कुल्लू पहाड़ियों में रोहतांग दर्रे के पश्चिम से निकलती है और राज्य की चंबा घाटी से बहती है। पाकिस्तान में प्रवेश करने व सराय सिंधु के निकट चेनाब नदी में मिलने से पहले यह नदी पीर

झेलम नदी Jhelum River :-

↓

किशनगंगा इसकी एक सहायक नदी

POK में झेलम

↓

कोहाला व आजाद पट्टन परि॰